प्रेस विज्ञप्ति

कर्मचारी राज्य बीमा निगम, मुख्यालय में
हिंदी दिवस समारोह एवं कवि सम्मेलन

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 14.09.2012 को हिंदी दिवस समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया । समारोह के आरंभ में निगम के महानिदेशक श्री ए.के.अग्रवाल एवं श्रम और रोजगार मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री चन्द्र प्रकाश ने पंचदीप प्रज्वलित किया । अपने उद्‌बोधन में महानिदेशक ने कहा कि इसके पहले मैं विभिन्न मंत्रालयों में था, यहां आने पर मुझे पता चला कि निगम में हिंदी में कुछ ज्यादा ही काम हो रहा है । मैं बंगाल में था, वहां ऐसी कोई बंदिश नहीं है कि सारा काम केवल बंगला में हो, वे हिंदी में काम करने के लिए उत्साहित करते हैं । अंग्रेजी जीविका की भाषा बन गई है, इसके प्रयोग के लिए एक नेशनल प्रेशर है किंतु हमें हिंदी का प्रयोग जारी रखना चाहिए ताकि हमारी भाषा कहीं खो न जाए । हिंदी दिवस, हिंदी पखवाड़े आदि के माध्यम से जागरूकता लाई जाए ताकि हिंदी को लोग भूल न जाएं । हमें हिंदी के विकास के लिए निरंतर कोशिश करते रहना चाहिए।

श्री चंद्र प्रकाश ने अपने संबोधन में कहा कि निगम में हिंदी दिवस के इस भव्य आयोजन से उन्हें बहुत खुशी हुई। हिंदी इस देश में सबसे अधिक लोगों द्वारा बोली जाती है । इसीलिए इसे राजभाषा बनाया गया । आप अपने टिप्पण/आलेखन में हिंदी का प्रयोग करें ताकि ऐसे लोग जिनके माता-पिता उन्हें अंग्रेजी माध्यम से पढ़ा नहीं सके, हिंदी में काम करने में शर्मिंदा न हों । हिंदी एक समृद्ध भाषा है । यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश में अंग्रेजी में बोलने को प्रेस्टिज समझा जाता है । अंग्रेजी तो हमारी गुलामी की निशानी है । उन्होंने बताया कि मार्क तुली ने एक बार कहा था "मैं प्रश्न हिंदी में पूछता हूँ, यहां के लोग उत्तर अंग्रेजी में देते हैं ।" विदेशों में ऐसी स्थिति नहीं है । वहां भाषा को आत्मगौरव से जोड़ा जाता है । आप सभी ऐसा प्रभाव पैदा करें कि हिंदी बढ़े । निगम मुख्यालय की हिंदी पत्रिका "पंचदीप भारती" के चौथे अंक का विमोचन करते हुए उन्होंने निगम कार्मिकों की हिंदी के प्रति रुचि की सराहना की ।

श्री बी.के.साहू, बीमा आयुक्त ने कहा कि मुख्यालय में पहली बार कवि सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है । इससे हिंदी के प्रति लोगों की रुचि बढ़ेगी । निगम द्वारा हिंदी के लिए किए जा रहे कार्यों की सर्वत्र प्रशंसा हुई है । हमारे कार्यालयों को राजभाषा विभाग, नराकास, केंद्रीय सचिवालय हिंदी परिषद द्वारा पुरस्कृत किया है ।

इस अवसर पर महानिदेशक एवं संयुक्त सचिव द्वारा हिंदी प्रतियोगिताओं में विजेता कार्मिकों को नकद पुरस्कार प्रदान किया गया । डॉ. पन्ना प्रसाद, संयुक्त निदेशक (रा.भा.) ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम में राजभाषा हिंदी की प्रगति से संबंधित आख्या प्रस्तुत की । अंत में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें डॉ.गोविन्द व्यास, श्री महेन्द्र अजनबी, श्री वेद प्रकाश और डॉ.नूतन कपूर ने काव्य पाठ किया । कार्यक्रम का संचालन राखी सैनी एवं श्याम सुंदर कथूरिया ने किया ।